हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार, 24 फरवरी 2025

12 तीसरी आंख की निगरानी होगा धोली गांव...

12 इंडस वैली पब्लिक स्कूल में छात्रवृत्ति परीक्षा...

खबर संक्षेप

बुलेट से पटाखे छोड़ने पर की इंपाउंड

नारनौल। सड़कों पर गाड़ियां ठीक तरह से चले इसके लिए जरूरी है कि लोग ट्रैफिक नियमों का पालन करें। यातायात व्यवस्थित तरीके से चले इसलिए चौक चौराहों पर ट्रैफिक पुलिस नियम तोड़ने वालों की धरपकड़ करती है। ट्रैफिक पुलिस ने बुलेट से पटाखे फोड़ने वालों के खिलाफ सख्ती करते हुए ऐसे चालकों का चालान काटते हुए उनकी बुलेट बाइक को इंपाउंड किया। इसके अलावा पुलिस टीम ने आधा दर्जन से अधिक बुलेट बाइकों के चालान करते हुए लोगों को यातायात नियमों का पालन करने व मोड़ पर वाहनों को धीरे चलाने को लेकर प्रेरित किया। थाना यातायात प्रभारी निरीक्षक नरेश कुमार ने कहा कि कोई भी व्यक्ति क्षेत्र में बुलेट बाइक से पटाखे फोड़ते मिला को उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। इस बात पर अभिभावक भी अमल करें और अपने बच्चों को ऐसा करने से रोकें। उन्होंने अन्य वाहन चालकों को भी यातायात नियमों के बारे में बताते हुए उनका पालन करने के लिए प्रेरित किया।

शादी में दिल्ली गए परिवार के बंद मकान में चोरी

नारनौल। शहरी क्षेत्र गांव पटीकरा में एक परिवार भतीजी की शादी में दिल्ली गया था। पीछे से बंद मकान में चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। चोर लाखों कीमत के आभूषण व कैश के साथ साथ सीटीसीवी कैमरे की डीवीआर भी ले गए। पीड़ित मकान मालिक की शिकायत पर सिटी पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ बीएनएस की धारा 305, 331(4) के तहत केस दर्ज किया है। शहरी क्षेत्र गांव पटीकरा वासी सुनील कुमार ने शिकायत में बताया है कि वह अगरबत्ती का सेल्समैन का कार्य करता है। वह परिवार सहित 16 फरवरी को भतीजी की शादी में शामिल होने दिल्ली गया था।

अतिक्रमण हटाना पड़ा महंगा, दुकानदार ने आत्महत्या करने का किया प्रयास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

शहर को स्वच्छ व अतिक्रमण मुक्त करने के लिए शहरी सरकार इन दिनों नारनौल व महेंद्रगढ़ दोनों जगह अभियान चलाएं हुए है। इसका फायदा आमजन को अब मुख्य सड़कों पर दिखाई दे रहा है। पहले के मुकाबले अब सफाई व्यवस्था में भी सुधार दिखाई देने लगा है। इसी बीच अतिक्रमण करने पर चालान काटना नगर परिषद टीम को भारी पड़ गया है। इस टीम के सदस्य ने जो पुलिस को शिकायत दी है, उसके मुताबिक अतिक्रमण करने का चालान करने के अगले दिन भी दुकानदार नहीं माना। अतिक्रमण नहीं करने के लिए कहा तो टीम से झगड़ा किया। सरकारी काम में बाधा डाली। वहीं दूसरी ओर हताश व्यापारी ने आत्महत्या करने का प्रयास किया। पीड़ित व्यापारी के छोटे भाई की पत्नी ने नप टीम सदस्य शिकायत देकर गंभीर आरोप लगाया। आरोप है कि महिला के जेठ को पता लगने पर जब विरोध किया तो टीम के साथ मिलकर दोनों व्यापारी भाईयों व महिलाओं के साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। जब दोनों तरफ से शिकायत सिटी पुलिस को मिली तो दोनों तरफ से केस दर्ज कर लिया गया। दोनों शिकायतों के पीछे सच जानने के लिए पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

अतिक्रमण हटाने वाली टीम के सदस्य ने दी शिकायत

नगर परिषद कार्यालय में कार्यरत कौशल रोजगार के तहत बतौर कम्प्यूटर ऑपरेटर लगे कर्मचारी ने सिटी पुलिस को शिकायत दी है। उसने बताया है कि उच्च अधिकारियों के आदेश अनुसार पिछले कई दिनों से शहर में अतिक्रमण हटाने का काम चल रहा है। बीती 20 फरवरी वीरवार को नगर परिषद टीम, जिसमें वह भी शामिल था, अतिक्रमण हटाने के लिए महावीर चौक से पुल बाजार की तरफ जा रहे थे। हमारी टीम पुराने मंदिर के पास पहुंची, जहां पर एक क्लॉथ स्टोर के सामने गली से बाहर कपड़े रख रखे थे, जिसका हमने चालान किया। अगले दिन 21 फरवरी शुक्रवार को भी हमारी टीम दोबारा से महावीर चौक से पुल बाजार की तरफ अतिक्रमण हटाते हुए जा रही थी, जब हम उसी क्लॉथ स्टोर के पास पहुंचे तो दुकान पर दो नामजद भाई व दो अन्य महिलाएं, जिनमें वह एक महिला का नाम भी जानता है, हमारे सामने आ गए और अतिक्रमण हटाने से रोकने लगे। हमारे साथ गाली गलौज व जान से मारने पर उतारू हो गए। हम सबको जान से मारने की धमकी देने लगे। आरोपित दोनों भाईयों उपरोक्त महिलाओं को लड़ाई झगड़ा करने व सरकारी कार्य में बाधा डालने के लिए अपने घर की महिलाओं को आगे कर देते हैं। वह यह शिकायत अपने वरिष्ठ अधिकारियों से विचार विमर्श करके दी है। दो नामजद व्यक्ति व एक नामजद महिला और अन्य एक महिला सभी ने मिलकर सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाई है। हमें जान से मारने की धमकी दी है। इनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करके कानूनी कार्रवाई की जाए। यह सभी नगर परिषद की टीम पर दवाब बनाकर दुकान के आगे अतिक्रमण करना चाहते हैं। सिटी पुलिस ने इस शिकायत पर बीएनएस की धारा के तहत 121(1),126,132,221,3(5),351(3) के तहत केस दर्ज किया है।

महिला ने लगाए गंभीर आरोप

शनिवार रात सिटी पुलिस को दी शिकायत में एक आरोपित की पत्नी ने बताया है कि वह घरेलू कार्य के साथ साथ दुकान भी संभालती है। गली के अंदर एक नामजद लड़का आता है। रास्ते में कहीं भी मिलता है तो नंबर मांगता है और धमकी देता है कि नंबर नहीं देगी तो परिवार वालों को परेशान करेगा। बार-बार पीछा करके परेशान करता है और गलत निगाहे डालता है। फिर यह बात जेठ को बताई तो जेठ ने उससे समझाया तो 21 फरवरी को दोपहर तीन बजे उसने मारपीट की और अपने टीम को बुलाकर जेठ को मारा। पति को भी मारा और सोमवार तक पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी। जेठ ने इस बात की टेंशन लेकर खुदकुशी का प्रयास किया। नामजद आरोपित के खिलाफ कानूनी कारवाई सख्त से सख्त की जाए। महिला की इस शिकायत पर सिटी पुलिस ने नामजद के खिलाफ बीएनएस की धारा 115, 3(5), 351(3), 78 के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

अनियंत्रित कार ने डिवाइडर से छलांग लगा दूसरी तरफ बाइक को मारी टक्कर

सड़क हादसे में दूल्हे के जीजा व फूफा की मौत, खुशियां मातम में तब्दील

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नांगल चौधरी–निजामपुर रोड पर धौली पहाड़ी मेघोत गांव के समीप एक अनियंत्रित एरटिगा गाड़ी डिवाइडर के ऊपर से कूद दूसरी तरफ सामने से आ रही बाइक से जा टकराई, जिसमें बाइक सवार दूल्हा के जीजा एवं फूफा की मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक यह हादसा एरटीगा की ओवरस्पीड के कारण हुआ। यह गाड़ी इतन तेज गति से भगाई जा रही थी कि वह डिवाइडर को ऊपर से क्रॉस करते हुए सड़क के दूसरी तरफ बाइक से जा टकराई। इस हादसे उपरांत शादी की खुशियां मातम में बदल गई।

जानकारी मुताबिक निजामपुर क्षेत्र के गांव सरेली में 21 फरवरी को दो भाईयों की शादी थी। धूमधाम से वे बारात चढ़े और अगले रोज दुल्हन लेकर भी आ गए। 23 फरवरी को सुबह दुल्हन को वापस अपने गांव जाना था। तब तक सब सही था और शादी की खुशियां मनाई जा रही थी। मंगलगान गाए जा रहे थे। इन्हीं दुल्हनों के लिए 22 फरवरी की दूल्हा के जीजा करीब 26 वर्षीय अनिल पुत्र रतनलाल वासी खैरियों की ढाणी खेतड़ी तथा फूफा लगभग 43 वर्षीय सब इंस्पेक्टर जोगेंद्र सिंह पुत्र ओमप्रकाश वासी नालपुर राजस्थान हाल आबाद पालम दिल्ली दोनों एक बाइक पर सवार होकर नांगल चौधरी गए। वहां से नई नवेली दुल्हनों के लिए आवश्यक सामान खरीदा तथा देर शाम को वहां से सरेली वापस आने के लिए चल दिए। जब वह निजामपुर रोड पर धौली पहाड़ी के समीप थे, तब अचानक सामने से आ रही एरटिगा गाड़ी तेज गति में अनियंत्रित होकर डिवाइडर को पार कर सड़क के दूसरी तरफ आ गई तथा सामने से आ रही उक्त बाइक को टक्कर मार दी, जिससे दूल्हों के जीजा अनिल टीचर एवं फूफा सब इंस्पेक्टर जोगेंद्र सिंह को टक्कर मार दी। यह टक्कर इतनी भीषण थी कि इस दुर्घटना में जीजा एवं फूफा की मौके पर ही मौत हो गई। आसपास के लोगों ने पुलिस एवं एंबुलेंस को सूचित किया, जिस पर दोनों को नांगल चौधरी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। जब परिजनों को पता चला तो उन पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा और उनके पैरों तले की जमीन खिसक गई तथा वह बदहवास अवस्था में नांगल चौधरी अस्पताल पहुंचे, जहां से शवों को पुलिस नागरिक अस्पताल नारनौल लेकर आई और शवों को डैडहाउस में रखवाया। पुलिस ने रविवार प्रातः परिजनों के बयान पर एरटिगा गाड़ी चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया तथा घटनास्थल से उसे काबू कर नांगल चौधरी थाने पहुंचाया।

नारनौल। नागरिक अस्पताल में पहुंचे परिजन। इनसेट में मृतक अनिल कुमार व जोगेंद्र। फोटो : हरिभूमि

जीजा टीचर और फूफा था सब इंस्पेक्टर

यहां बता दें कि अनिल कुमार सरकारी टीचर थे और वह पाटन क्षेत्र के गांव बिहारीपुर में कार्यरत थे। उनको तीन साल की एक लड़की है, जबकि जोगेंद्र सिंह सीमा सुरक्षा बल (एसएसबी) में सब इंस्पेक्टर पद पर कार्यरत थे। वह पिछले कुछ वर्षों से दिल्ली के पालम में रहने लगे थे और वर्तमान में उनकी ड्यूटी 39 बटालियन पलिया में लगी हुई थी। उनको एक बेटा एवं बेटी है। इस हादसे की सूचना मिलने पर खैरियों की ढाणी एवं नालपुर से ग्रामीण नारनौल अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम कराने उपरांत उन्हें परिजनों को सौंप दिया, जबकि घटनास्थल से एरटिगा गाड़ी को अपने कब्जे में ले लिया।

नारनौल। शादी में दिए जाने वाले सामान के साथ ग्रुप सदस्य। फोटो : हरिभूमि

गरीब सुकन्या विवाह के तहत बेटी का कन्यादान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

शहर की अग्रणी संस्था नेकी की दीवार नीडी हेल्प ग्रुप की मुहिम गरीब सुकन्या विवाह के अंतर्गत एक ऐसे परिवार की बेटी का कन्यादान किया गया। जिसके मां बाप नहीं है। शादी का सारा काम काज उसकी दादी मां की देखरेख में किया गया। जिसकी परिवार के स्थिति काफी ही नाजुक थी और बहुत ही ज्यादा जरूरतमंद परिवार था। जिस पर एक भी फिर से संस्था के सभी भाई व बहनों ने मिलकर अपना फर्ज अदा किया।

इस अवसर पर बेटी की शादी अच्छे से हो सके, इसके लिए उसको 51 बरतनों का सेट, लहंगा चुनरी, जूसर मिक्सर, सीनरी, प्रेस, पंखा, डबल बेड की चद्दर, ट्रे सेट, मिल्टन बोतल, मिल्टन थर्मस, मिल्टन वाटर कैम्पर, कप सेट, कुकर, सूट साड़ियां, पेंट शर्ट, डबल बेड कम्बल, कार्डीगन, स्टॉल, लेडीज पर्स, अटैची, हॉट केस, नकद 501 रुपये कन्यादान के अलावा अन्य सामान भी भेंट स्वरूप कन्या को दिया गया। इस कार्यकम संयोजक संस्था के फाउंडर मनीष गोगिया ने बताया कि संस्था की ओर से समय समय अनेक सामाजिक कार्य जैसे रक्तदान शिविर लगाना, आपातकालीन में रक्त उपलब्ध करवाना आदि में संस्था की प्राथमिकता रहती है।अगले महीने 23 मार्च को शहीद भगत सिंह की जयंती के उपलक्ष्य में विशाल रक्तदान शिविर व सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। इस कन्यादान में मुख्य अतिथि प्रमुख समाजसेवी गोसेवक निहाल सिंह प्रधान थे। संदीप जैन ने कहा कि हमें अपने पास ऐसे परिवार की हर सम्भव मदद करनी चाहिए।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर मनीष गोगिया, संदीप जैन, निहाल सिंह प्रधान, राकेश सेकवाल, अंकित सैनी, कुणाल शुक्ला, सुनील गोयल, हिमांशु संघी, विजय यादव, मनीष गर्ग, प्रवेश जांगिड़, हरीश भारद्वाज आदि मौजूद थे।

आज आएगी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त, पीएम करेंगे जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह 24 फरवरी को पंचायत भवन में जिला स्तरीय किसान सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार के भागलपुर में राष्ट्रीय स्तर पर किसानों को संबोधित करेंगे और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त सीधे किसानों के खाते में डीबीटी के माध्यम से जारी करेंगे। वहीं प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी झज्जर के राजकीय नेहरू पीजी कॉलेज में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से वर्चुअल माध्यम से जुड़ेंगे। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के डीडीए डा. देवेंद्र सिंह बाजवा ने बताया कि किसान सम्मान समारोह का आयोजन सोमवार को राष्ट्रीय, राज्य व जिला स्तर पर किया जाएगा। राष्ट्रीय स्तरीय कार्यक्रम का वर्चुअल माध्यम से ऑनलाइन प्रसारण किया जाएगा। बाजवा ने बताया कि जिला स्तरीय कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विधायक ओमप्रकाश यादव हिस्सा लेंगे व किसानों के नाम अपना शुभ संदेश देंगे। कार्यक्रम स्थल पर किसानों के बैठने की व्यवस्था, लाइव प्रसारण और अन्य व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की ओर से कार्यक्रम में किसानों को केंद्र व प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी भी दी जाएगी। इस मौके पर किसानों को प्राकृतिक व ऑर्गेनिक फार्मिंग के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। किसानों को नई कृषि तकनीक, उच्च गुणवत्ता वाले बीज, खाद और आधुनिक कृषि यंत्रों की जानकारी मिलेगी।

शहर में निकाली 127वीं प्रभात फेरी

नारनौल। प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को मोती नगर से 127वीं प्रभात का आयोजन किया गया। प्रभात फेरी के मुख्य यजमान शंकरलाल सैनी ने परिवार सहित ठाकुर जी व निशान पूजन करके प्रभात फेरी का शुभारंभ किया गया। प्रभात फेरी समिति के संस्थापक घनश्याम गर्ग व संरक्षक चेतन जिंदल के नेतृत्व में आयोजित की गई। जिसमें संदीप गोयल, सतीश शर्मा, रश्मि गोयल, जया अग्रवाल ने राधा कृष्ण के धुन से प्रभात फेरी का शुभारंभ किया। सभी भक्तजन राधा नाम संकीर्तन करते हुए मुख्य यजमान के निवास स्थान मोती नगर से शुभारंभ होकर सेक्टर, सिंघाना रोड व विभिन्न मार्गों से होते हुए पुनः शुभारंभ स्थल पर पहुंचकर संपन्न हुई। रास्ते में धर्म प्रेमी बंधुओं ने श्री राधा नाम संकीर्तन प्रभात फेरी का स्वागत पुष्प वर्षा व आरती करके किया। इस मौके पर संस्था के संस्थापक घनश्याम गर्ग, जोगिंद्र अग्रवाल, महेंद्र सैनी, नवीन जैन, मयंक गर्ग आदि मौजूद थे।

बीआर ज्ञानदीप विद्यालय में विजेता खिलाड़ी सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

गांव सुरजनवास स्थित बीआर ज्ञानदीप विद्यालय में आयोजित दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता का समापन हो गया है। इस अवसर पर विद्यालय के संस्थापक रामसिंह यादव, प्रधानाचार्य रामबीर यादव एवं चेयरमैन रूपराम यादव मुख्य रूप से उपस्थित रहे। समापन समारोह में विभिन्न खेलों के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। इस दौरान दौड़, लंबी कूद, ऊँची कूद, कबड्डी, खो-खो, शॉट पुट, बैडमिंटन आदि खेलों का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए रूपराम यादव ने कहा कि खेलकूद से बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता विकसित होती है। प्रधानाचार्य रामबीर यादव ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा के साथ-साथ खेलों का भी विशेष महत्व है, क्योंकि ये बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं। कार्यक्रम के सफल संचालन में शारीरिक शिक्षा विभाग के सुनील डीपीई, चंद्रभान, सुदर्शन, निर्मला, अविका यादव, टीजीटी हेड सुजान सिंह सहित अन्य शिक्षकों का विशेष योगदान रहा। समापन समारोह के अंत में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। जिसमें लोक नृत्य, देशभक्ति गीत, और नाटक का मंचन किया गया। अंत में विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

महेंद्रगढ़। प्रतियोगिता में भाग लेते स्कूल के विद्यार्थी।

निकाय चुनाव

14 वार्डों के लिए 41 पार्षद व चेयरपर्सन के लिए सात उम्मीदवार चुनाव मैदान में

पुत्रवधू प्रत्याशी होने से दो पूर्व प्रधानों की प्रतिष्ठा भी दांव पर

चुनावी ग्राउंड रिपोर्ट, दिन-रात कैंपेनिंग कर मतदाताओं को रिझा रहे प्रत्याशी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

आगामी दो मार्च को होने वाले नगर पालिका चुनाव को लेकर प्रत्याशियों की ओर से दिन-रात एक कर कैंपेनिंग की जा रही है। अब उन्हें सपने में भी मतदाता दिखाई दे रहे हैं। मतदाताओं की ओर से जो समस्याएं रखी जा रही हैं, उनका भी शीघ्रता से समाधान का आश्वासन दिया जा रहा है। उनकी ओर से आमजन से जुड़ी रोजमर्रा की बुनियादी समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया जा रहा है।

बता दें कि कनीना में कुल 10413 मतदाता हैं। जिनमें 5376 पुरुष व 5037 महिला मतदाता शामिल हैं, जो 14 वार्डों में विभाजित हैं। जिनके लिए 14 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। जहां मतदाताओं के लिए पेयजल सहित बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध होगी। जातिगत समीकरणों के लिहाज से यहां पर करीब पांच हजार अहीर, एक हजार महाजन, 700 ब्राह्मण, 500 जांगिड़, तीन हजार एसी बीसी, मिरासी गोस्वामी व अन्य मतदाता शामिल हैं। सभी मतदान केंद्रों का एसडीएम की ओर से निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जाजया लिया जा चुका है। कोई भी संवेदनशील बूथ नहीं बनाया गया है। जरूरत के मुताबिक सुरक्षा के इंतजाम किए जाएंगे।

चुनाव मैदान में सात महिला प्रत्याशी चेयरमैन पद व 41 प्रत्याशी वार्ड मेम्बर के रूप में डटे हुए हैं, जो जनसंपर्क अभियान में जुटे हुए हैं। जिनके लिए दो मार्च को सुबह आठ बजे से सायं छह बजे तक मतदान होगा। चेयरमैन पद के चुनाव में पूर्व नपा चेयरमैन मा दलीप सिंह व राजेंद्र सिंह लोढा की पुत्रवधू उम्मीदवार होने से उनकी प्रतिष्ठा दांव पर है। चेयरमैन के लिए सुमन देवी, रिंपी कुमारी, सरिता सिंह, कुसुमलता, संतोष देवी, सबिता देवी व सुमन सहित सात महिला उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। जिनमें मुकाबला माना जा रहा है। इसी प्रकार 14 वार्डों के मुकाबले 41 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। जिनकी ओर से चुनाव प्रचार किया जा रहा है।

वार्ड मेंबर के प्रत्याशियों में वार्ड नम्बर एक से मंजू व निर्मला, दो से सुनील कुमार व दीपक सिंह, तीन से उषा यादव, सुमेर सिंह व थानसिंह, चार से अंजू, रेखा रानी, रेखा व प्रियंका सोनी, पांच से कमल यादव, राजकुमार व पंचम यादव, छह से हेमराज, संदीप कुमार व राकेश कुमार, सात से उषा देवी, राजेश देवी व कमला देवी, आठ से नीलम कुमारी व पूजा, नौ से राजेश कुमार, सजन सिंह, नितेष गुप्ता, पूनम कुमार व दीपक कुमार, 10 से नितिन, योगेश व अनिल कुमार, 11 से होशियार सिंह व रविंद्र कुमार, 12 से राखी कुमारी, पूनम यादव व सुमन देवी, 13 से ममता, प्रदीप यादव, सुबेसिंह व देशराज 14 से राजेंद्र सिंह व अनूप यादव चुनाव मैदान में है।

क्या कहते हैं चुनाव अधिकारी

चुनाव अधिकारी एसडीएम डा. जितेंद्र सिंह अहलावत ने बताया कि में नपा प्रधान का पद सामान्य वर्ग की महिला के लिए आरक्षित किया गया है। दो मार्च को ईवीएम से शांतिपूर्वक मतदान के लिए सभी बंदोबस्त किए जा रहे हैं। आदर्श चुनाव आचार संहिता का पालन किया जाएगा। कनीना में आने वाले प्रवेश मार्गों पर नाके लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि 12 मार्च सुबह आठ बजे से कड़ी सुरक्षा के बीच राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक

जिलास्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता 26 को

महेंद्रगढ़। पाथेड़ा स्थित सती माता खेल मैदान में 26 फरवरी को एमेच्योर कबड्डी संघ की ओर जिलास्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। जिला प्रधान संजीव तंवर ने बताया कि प्रतियोगिता में सीनियर, जूनियर, सब जूनियर व सर्किल स्टाइल प्रतियोगिता आयोजित की जाएंगी। सब जूनियर वर्ग में भाग लेने वाले खिलाड़ियों का जन्म एक जनवरी 2009 के बाद व जूनियर के लिए एक जनवरी 2005 के बाद का होना चाहिए। चयन कमेटी के अध्यक्ष नरेश ढिल्लो ने बताया कि सब जूनियर वर्ग में खिलाड़ियों का वजन 55 किलो से कम व जूनियर वर्ग में लड़कों में 70 किलो से कम तथा सीनियर वर्ग में पुरुषों में 85 किलो से कम वजन होना चाहिए।

RAO SULTAN SINGH
MEMORIAL SR. SEC. SCHOOL, NIMBHERA
REQURIES
ADMIN : Primary Head, Academic Co-ordinator
PGT : Physics, Chemistry, Biology, Mathematics, English, Hindi Political Science, Geography, Physical Education, Sanskrit, History
TGT : English, Hindi, Science, Mathematics, Sanskrit Social Science (Eng. Medium), Computer Teacher
PRT : English, Hindi, Mathematics, Science, Social Science. Art & Craft, Activity Teacher
Others : Dance Teacher, Sports Coach (Male / Female), Receptionist (Female)
WALK-IN INTERVIEW
ANY WORKING DAY FROM 10:00 AM TO 2:00 PM at School Campus
CONTACT NOW
9050361061, 9416420180

स्वास्थ्यवर्धक है लस्सी

भारतीय ग्रामीण खान-पान में लस्सी खास अहमियत रखती है। लस्सी में कैल्शियम, विटामिन डी, और लैक्टिक एसिड होता है। यह हड्डियों को मज़बूत करती है, दांतों का स्वास्थ्य बेहतर करती है, और प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाती है। लस्सी में प्राकृतिक शीतलन गुण होते हैं, जो शरीर के तापमान को कम करने में मदद करते हैं। हालांकि अब ज्यादातर युवा लस्सी के स्थान पर बाजार में बिकने वाली कोल्ड ड्रिंक को महत्व देने लगे हैं, जबकि कोल्ड ड्रिंक स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक पेय पदार्थ है।

ग्रामीण जनजीवन पर शहरीकरण हावी

- हरियाणवीं रीति-रिवाजों व खानपान पर पड़ रहा आधुनिकता का असर
- यातायात, इंटरनेट, दूरसंचार और वैश्विकरण ने ग्रामीणों के विचारों और कामकाज को किया है प्रभावित

आधुनिकता

राज कुमार नरवाल

हरियाणा में शिक्षा का प्रचार-प्रसार बढ़ा है। सड़कों की हालत में काफी सुधार हुआ है। जगह-जगह नए-नए राष्ट्रीय राजमार्ग बन गए हैं। लोगों को एक जगह से दूसरी जगह पर जाने में अब बहुत ही कम समय लगने लगा है। इंटरनेट व मोबाइल फोन की वजह से हरियाणा के लोग विदेश में बैठे लोगों से भी संपर्क में हैं। पढ़-लिखकर गांवों में रहने वाले परिवारों के बच्चों के विचारों में भी फर्क आया है। वे अब मल्टीनेशनल कंपनियों में काम करने लगे हैं। देश और विदेश में नौकरियां कर रहे हैं।

हरियाणा के गांवों में बसने वाले लोग अब केवल खेती पर ही निर्भर नहीं रहे हैं। सरकारी और प्राइवेट नौकरियों में काम कर रहे हैं। खुद के उद्योग लगा रहे हैं। अब वैश्विकरण का असर हरियाणा के गांवों पर भी पड़ा है। अब कोई भी देश दूर नहीं लगता। देश में हवाई अड्डों की संख्या बढ़ गई है। पहले जहां अपने देश में ही किसी दूसरी जगह पर जाने में कई कई दिन लग जाते थे लेकिन अब कुछ घंटों में ही एक राज्य से दूसरे राज्यों में पहुंच रहे हैं। इस सबका असर गांवों में बसने वाले लोगों पर भी पड़ा है। यहां का खान-पान व रहन-सहन और संस्कृति बदल गए हैं।

यहां पहले वाले रीति-रिवाज भी नहीं रहे। दरअसल, अब गांवों में भी शहरों जैसा ही रहन-सहन और खान-पान हो गया है। विश्वभर में हमारे नौजवान व्यापार व रोजगार के लिए पहुंच रहे हैं। वे विदेशी मेम को शादी करके गांव में ला रहे हैं। लड़कियों की कमी के चलते बहुत से युवाओं की शादी नहीं हो रही। इस कारण यहां के नौजवान बिहार व देश के अन्य राज्यों से बहुएं ला रहे हैं। बाहर से आने वाली इन बहुओं को हरियाणवीं संस्कृति का ज्ञान नहीं है। पढ़ाई के लिए शहरों में जाने वाले युवक-युवतियां अब देसी खान-पान छोड़कर चटपटा खान-पान अपना रहे हैं।

डिब्बाबंद वस्तुओं का प्रचलन बढ़ गया है। हर साल गांवों से कुछ परिवार खेती किसानी और पशुपालन का धंधा छोड़ रहे हैं। पहले गांवों में बसने वाले किसान दूध व घी बेचते नहीं थे। अब गांवों में भी लोगों को घी दूध और लस्सी के लाले पड़ गए हैं। ब्याह शादी व त्योहारों से जुड़े रीति-रिवाज खत्म होते जा रहे हैं। नई परंपराएं शुरू हो रही हैं। पुरानी परंपराएं छूट रही हैं। ब्याह शादी में जो सादा खाना होता था, अब तरह-तरह के पकवान बनने लगे हैं। देसी घी की बजाए अब वनस्पती घी और रिफाइंड का इस्तेमाल ब्याह में पकवान बनाने में होने लगा है।

डीजे की धमक पर थिरक रहे युवा

शादी के समय शहनाई या परंपरागत बाजा बजाया जाता था। अब नई पीढ़ी डीजे की धमक पर थिरक रही है। गांव में बसने वाले लोग आरामपरस्त हो गए हैं। वे भी एसी गाड़ियों में चलते हैं और गांवों में भी अब वातानुकूलित उपकरण पहुंच गए हैं। शहरों की तरह ही अब लोग घरों में ही रहते हैं। गलियों में एक-दूसरे के पास बैठकर अब कम ही बातचीत करते हैं। गर्मियों में तो गांवों की गलियां पूरी तरह सुनसान रहने लगी हैं। किसी जमाने में गांवों की गलियां दिनभर गुलजार रहती थी। शहरों में पढ़ाई करने वाले नौजवान युवक-युवतियों का आचार-विचार शहरों जैसा ही हो गया है। बहुएं भी पढ़-लिखकर नौकरीपेशा हो गई हैं। इस कारण अब गांवों में महिलाएं खेतों में कम और बाहर नौकरी करने के लिए अधिक संख्या में जाती हैं।

अब रात को नहीं रुकते रिश्तेदार

छुट्टियों में बच्चे अपनी माताओं के साथ ननिहाल में जाते थे। लेकिन अब बच्चों पर पढ़ाई का इतना बोझ हो गया है कि ट्यूशन आदि के चक्कर में वे ननिहाल नहीं जा पाते। लगभग प्रत्येक व्यक्ति के पास अपना वाहन हो गया है और साफ सुथरे रोड बने हैं। इस वजह से अब लोग अपनी रिश्तेदारी में रुकने की बजाए रात तक अपने घर पहुंचना ही उचित समझते हैं। पहले यातायात साधनों का अभाव था। शाम तक घर लौटना मुमकिन नहीं होता था। अब लोग रिश्तेदारी में नहीं रुकते।

घर द्वार पर पहुंचने लगा सामान

जरूरत का सामान बेचने वाली कंपनियों ने अब गांवों तक भी अपनी पहुंच बना ली है। सबकुछ सामान की ऑनलाइन बिक्री हो रही है। कूरियर कंपनियों में कार्यरत युवा गांवों में भी सामान पहुंचा रहे हैं। ग्रामीण कभी-कभार ही सामान लेने के लिए बाजार जाते थे। अब तकरीबन सामान घर के आगे ही बिक्री के लिए पहुंच रहा है। गाड़ियों में लोग आवाज लगाकर सामान बेच रहे हैं। सब्जियां तक वाहनों में घरद्वार पर बिकने लगी हैं।

शीत-राबड़ी की जगह कोल्ड ड्रिंक

गांवों में दूध, शीत, राबड़ी, दलिया और लाप्सी जैसे खान-पान होते थे। लेकिन अब उनकी जगह कोल्ड ड्रिंक ने ले ली है। बोतलों में विभिन्न कंपनियों के ठंडे पेय पदार्थ अब यहां भी प्रयोग होने लगे हैं। कभी गांव के लोगों को चाय के स्वाद का पता तक नहीं होता था लेकिन अब गांवों के लोग जमकर चाय पीते हैं और कॉफी भी गांवों में पी जाने लगी है।

इसके अतिरिक्त, पहले गांवों में बच्चों के लिए तरह तरह के खेल-तमाशे होते थे। उदाहरण के तौर पर जादू के खेल, बंदर व भालू के खेल और चित्र दिखाने के लिए बारहमन की धोबण आदि अनेक तरह के खेल तमाशे होते थे। अब ये सब खत्म हो गए हैं। बड़ों के लिए सांग, रामलीला और रागनियों के कार्यक्रम होते थे। लेकिन अब वे पुराने कहानी और किस्से सुनने और सुनाने वाले ही नहीं रहे।

कविता

कुमार

परिवार और समाज

परिवार सै पहली पाठशाला,
संस्कारां की में मिले उजाला।
मां-बाप सिखावें चाल सिधी,
सच्चाई अर मेहनत की रीत गहरी।

परिवार बिना जीवन अधूरा,
हर भी सुख भी लागे मजबूरा।
भाई-बहन का प्यार न्यों,
सावन में बरसात की ज्यों।

बूढ़े दादा-दादी का साया,
उनकी सीख में सब पाया।
वो अनुभव का सच्चा ज्ञान,
रखै परिवार की साख महान।

मिल-जुल रहणा परिवार सिखावे,
बड़ों की इज्जत, छोट्यां तै प्यार करावे।
हर रिश्ते में अपनापन होवे,
दिल में सच्चा सम्मान होवे।

समाज सै इंसान की पहचान,
इसी में बसै सारी शान।
मिलकै रहें, मिलकै बढ़ें,
सुख-दुख में संग रहें।

समाज बिना ना कोई अकेला,
हर कोई लागे एक दूजे का चेला।
बड़े-बुजुर्ग का काम समझावणा,
सच्चे न्याय के राह दिखावणा।

शिक्षा, सेवा अर सहयोग,
समाज में रहकै मिलै ये योग।
नेकी करै अर बात सिधी,
समाज बनावै जिंदगी ऊंची।

एकता, प्रेम अर भाईचारा,
समाज का सच्चा उजियारा।
ईमानदारी अर आदर की डोर,
इसी में बसै समाज का जोर।

जो हो परिवार समाज का संग,
तो 'कुमार' जिंदगी स मीठा रंग।
इनके बिना अधूरा जीवन,
इनमें ही सच्चा सुख-दर्शन।

रागनी

सत्यवीर नाहड़िया

हरियाणे की बोली धाकड़...

भास्सा बरगी भोत पुराणी,जाणै दुनिया सारी।
हरियाणे की बोल्ली धाकड़,जग म्हं गुँज्जै न्यारी।।

कोय हरियाणवी कह दे अर कह कोये हरयाणी।
जितनी बोल्ली सैं दुनिया म्हं,उन म्हं आग्गै पाणी।
गीत-रागणी कथा-कहाणी,छप ल्यी इस म्हं भारी।
हरियाणे की बोल्ली धाकड़,जग म्हं गुँज्जै न्यारी।।

जुगां-जुगां तै इस बोल्ली नै चोक्खी साख बणाई।
बोल्लीबुड लग इस बोल्ली नै,अपणी धाक जमाई।
हिंदी माई की या माई,न्यूँ नान्नी सै म्हारी।
हरियाणे की बोल्ली धाकड़,जग म्हं गुँज्जै न्यारी।।

कितै बाँगरू कितै बागड़ी,रूप खादरी ध्यावै।
कितै मिवाती कितै कौरवी,कितै बिरज रै छावै।
कितै हीरबाट्टी रै पावै,लटक सभी की प्यारी।
हरियाणे की बोल्ली धाकड़, जग म्हं गुँज्जै न्यारी।।

साँग निराळे इस म्हं गुँज्जे,आज तलक न्यूँ कड़कै।
भास्सा बणकै रह या बोल्ली,आज नहीं तै तड़कै।
कह 'नाहड़िया' दिल म्हं धड़कै,माँ-बोल्ली लयकारी।
हरियाणे की बोल्ली धाकड़,जग म्हं गुँज्जै न्यारी।।

कविता

डा. विकास यशकीर्ति

विश्व कै नक्शै पै छाया

देवभूमि सै या म्हारी,
सै हरि का आणा जाणा।
विश्व कै नक्शै पै छाया,
सै मेरा प्यारा हरियाणा।।

शान आपणी बोरला सै,
और बावन गज का दामण।
नाक तोड़े सासुआ का,
झूल कै हाम पूरा सामण।
वेद आयुर्वेद म्हारा ही रहा मंतर पुराणा।।
विश्व कै नक्शे पे...

बांध कै ऊंची सी पगड़ी,
हाथ मैं ले कै नै लाठी।
जूतियां की चरचराहट,
लांबी तगड़ी कद ओ काठी।।
देख कै नै म्हारा टोरा,
कौन लांघेगा सीमाणा।।
विश्व कै नक्शे पे...

मोरनी हिल स्वर्ग जैसी,
बण गई पहचान आपणी।
बन गई कुरुक्षेत्र नगरी,
आन बानो शान आपणी।।
युग युगा सै ही रहा सै,
देवताओं का ठिकाणा।।
विश्व के नक्शे पै सै छाया...

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

इतिहास

मराठों ने अपने विश्वासपात्र सैन्य अधिकारी आयरलैंड वासी जॉर्ज थॉमस को झज्जर क्षेत्र जागीर के तौर पर वर्ष 1794 में दे दी थी

दो शताब्दी पूर्व भी बनाया गया था हरियाणा राज्य

रोचक

यशपाल गुलिया

यह पढ़कर पाठकों को बड़ा आश्चर्य होगा कि लगभग 230 वर्ष पहले भी एक बार हरियाणा नामक स्वतन्त्र राज्य स्थापित किया गया था, जब दिल्ली बादशाह शाहआलम मराठों के संरक्षण में था तो मराठों ने अपने विश्वास पात्रों को जागीर प्रदान की थी। उसी क्रम में उन्होंने अपने एक सैन्य अधिकारी को झज्जर क्षेत्र जागीर के तौर पर वर्ष 1794 में दे दी थी। वह अधिकारी मूल रूप से आयरलैंड वासी जॉर्ज थॉमस था।

झज्जर मुगल काल से ही एक शासकीय परगना बना रखा था। उस आयरलैंड वासी जॉर्ज थॉमस ने झज्जर ग्रहण करते ही कड़ाई से भूमिकर वसूलना आरम्भ कर दिया तथा एक दो-वर्षों में ही अपनी एक सेना गठित कर ली। वर्ष 1795-96 में उसने लगान न देने के कारण बेरी वासियों पर बल का प्रयोग किया। लेकिन बेरी वासियों ने अपनी गढ़ी में इकट्ठे होकर जॉर्ज की सेना के साथ एक दिन का रक्त रंजित युद्ध किया। उसके बाद जॉर्ज ने झज्जर से पांच मील की दूरी पर एक नया किला बनाकर सैन्य शक्ति बढ़ा ली। उस किले का नाम अपने नाम पर जॉर्जगढ़ रखा जहां आजकल जहाजगढ़ गांव बसा हुआ है। फिर जॉर्ज थॉमस एक शक्तिशाली देशी शासक के तुल्य बन गया और अपना क्षेत्र बढ़ाने पर आमादा हो गया। इस प्रकार वह मराठों से भी स्वतन्त्र होने लगा और सैन्य शक्ति के बूते से महम, हांसी, हिसार से भी आगे तक क्षेत्र पर अधिकार कर बैठा। लेकिन झज्जर व बेरी क्षेत्र के

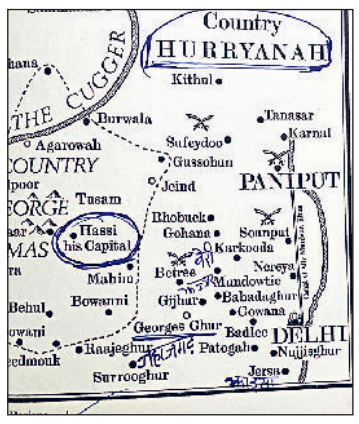

निवासियों के उत्पाति तेवर देकर उसने अपना मुख्यालय भी हांसी के प्राचीन किले में स्थापित कर लिया। इस प्रकार जॉर्ज थॉमस ने वर्ष 1797 के आस-पास अपना पूर्णतया स्वतन्त्र राज्य घोषित कर दिया। आयरलैंड की तर्ज पर नये राज्य का नाम ग्रीनलैंड अर्थात हरियाणा रख दिया। इसका क्षेत्र दिल्ली सूबे की सीमा से आरम्भ होकर फतेहाबाद तक 800 गांवों का था। हरियाणा

230 साल पहले हरियाणा के राजा जॉर्ज थॉमस तथा उन द्वारा स्थापित हरियाणा का नक्शा। इसमें राजधानी हांसी दिखाई गई है।

राज्य स्थापित करके जॉर्ज थॉमस ने हांसी को नये राज्य की राजधानी बना लिया। जॉर्ज की जीवनी तथा अन्य अंग्रेजों द्वारा लिखी गई पुस्तकों में तत्कालीन हरियाणा का मानचित्र स्पष्ट दिया गया है। इसमें राजधानी हांसी भी लिखा गया है। हांसी मुख्यालय बनाने के बाद जॉर्ज आस-पास के सिख राज्यों जैसे जीन्द, कैथल व पटियाला तक धावे बोलने लग गया। सिख शासकों के साथ जॉर्ज ने कई बार युद्ध भी किए थे तथा अपने नाम से मुद्रा-सिक्के भी चलाए थे। वर्ष 1799 के आस-पास जॉर्ज ने एक बड़ी सेना इकट्ठी कर ली थी जिसके झज्जर के किले जॉर्जगढ़ व हांसी के किलों में पड़ाव लगाए थे।

स्वयं जॉर्ज ने अपने लिए एक कोठी हिसार में बनवाई थी जो आज तक यथावत है। उस कोठी को जहाज कोठी के नाम से जाना जाता है लेकिन जॉर्ज के इतना शक्तिशाली हो जाने तथा स्वतन्त्र शासक बन जाने पर मराठों को दिल्ली के लिए भी खतरा प्रतीत होने लगा। तब उनके फ्रान्सीसी सेनापति जरनल पैरो ने जॉर्ज पर आक्रमण कर दिया। अक्तूबर 1801 में वर्तमान जहाजगढ़ वाले स्थान पर भीषण युद्ध आरम्भ हो गया।

जॉर्ज थॉमस व उसके तीन यूरोपियन सेनापतियों ने मराठा सेना से महीनेभर तक युद्ध किया। बेरी, मोहम्मदपुर माजरा, पलडा व भारावास की थली क्षेत्र में युद्ध होता रहा। अन्त में जॉर्ज 10 नवम्बर 1801 की रात को हांसी पलायन कर गया। वहां भी मराठा सेना पीछा करती हुई 21 नवम्बर को पहुंच गई। फिर लगभग 15 दिनों तक जॉर्ज ने हांसी में भी युद्ध किया।

अन्ततः दिसम्बर 1801 में हरियाणा के राजा कहलाने वाले जॉर्ज थॉमस ने मराठा सेना के सामने सशर्त समर्पण कर दिया। फिर अपने देश आयरलैंड को जाते हुए मार्ग में ही अगस्त 1802 में ही जॉर्ज का निधन हो गया। आश्चर्यजनक रूप से हरियाणा संस्थापक व उपरोक्त भीषण युद्धों को विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम में शामिल नहीं किया गया। जॉर्ज की भारतीय पत्नी ने उसके साथ आयरलैंड जाने से इनकार कर दिया था। इसलिए अपने बीवी-बच्चों को कुछ धनराशी देकर जॉर्ज बेगम समरु के पास सरधना में छोड़ गया था। वह आयरलैंड के टिपरेरी प्रान्त का मूल निवासी था, जो 1781 में मद्रास पहुंच गया था।

हास्य कला में छिपे हैं समाजोत्थान के संदेश : रेणू दूहन

कलाकार

ओ.पी. पाल

हरियाणा की लोक कला एवं संस्कृति को जीवंत रखने की दिशा में लेखक, लोक कलाकार, गीतकार अलग-अलग विधाओं में अपनी कलाओं की अलख अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जगाने में जुटे हुए हैं। ऐसे ही कलाकारों में युवा महिला कलाकार रेणू दूहन सामाजिक सरोकार से जुड़े मुद्दों और संस्कृति के साथ सामयिक घटनाओं पर आधारित लेखन तथा लोक कला के प्रदर्शन से खासकर युवा पीढ़ी को नई दिशा देने का प्रयास करती आ रही हैं। कविता के साथ अभिनय, हास्य-व्यंग्य तथा मिमिक्री से पहचान बनाने वाली कलाकार रेणू दूहन ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कुछ ऐसे पहलुओं का जिक्र किया है, जिसमें उन्होंने समाज कल्याण और संस्कृति के संवर्धन में कलाकारों की अहम भूमिका निभाने का संदेश दिया है। रेणू दूहन का जन्म 17 अक्टूबर 1995 को हिसार जिले के गांव पेटवाड़ में रमेश दूहन और वीना दूहन के घर में हुआ। जब वह पांच साल की थी, तो उनका परिवार जींद आकर रहने लगा। उनके घर में किसी प्रकार का साहित्य या सांस्कृतिक माहौल नहीं था। उनके पिता और भाई व्यापार करते हैं। तीन भाई-बहनो में उसका भी एक लड़के की तरह पालन पोषण किया गया। किसी बात में या कुछ भी करने से पहले उसे कभी यह महसूस नहीं होने दिया कि वह एक लड़की है। इन्हें बचपन से ही लोक अभिनय में अभिरुचि रही, लेकिन उनके परिवार वालों को उनका कला के क्षेत्र में भागीदारी करना अच्छा नहीं

लगा। बकौल रेणू दूहन बचपन से ही उन्हें मंच का बहुत शौक था। स्कूल में हर शनिवार को होने वाली बाल सभा में उन्हें एंकर बनाया जाता था। उन्होंने कई बार कविता, निबंध लेखन, नाटक, नृत्य आदि में भागीदारी की। जब वह कालेज में पढ़ रही थी तो उनकी कला को देखकर कई शिक्षिकाओं ने उन्हें इस दिशा में प्रोत्साहित करके मदद की। रत्नावली फेस्टिवल में अपने कॉलेज से वही जाती थी। उसने अपने चाचा की मदद से कविता लिखी, जो राज्य स्तर पर द्वितीय स्थान पर रही। इससे उनका लोक साहित्य के प्रति आत्मविश्वास बढ़ा। इसी से प्रेरित होकर साल 2015 से उसने लिखना शुरू किया। रेणू दूहन हास्य व्यंग्य और कविताएं भी लिखती हैं तो उनके इस हास्य में भी समाज के लिए कुछ न कुछ ऐसे संदेश छिपे होते हैं जो नशे की तरफ जाते आज के युवाओं को जागरूक करके उन्हें सही राह दिखाने का काम करते हैं। उनके लेखन, अभिनय या फिर हास्य व्यंग्य का फोकस समाज को सकारात्मक ऊर्जा देने की दिशा में ही रहा है, ताकि खासकर युवा पीढ़ी अपनी संस्कृति की मूल जड़ों से जुड़ी रहे। थिएटर कार्यशाला के अलावा रेणू यूथ फेस्टिवल में भी हिस्सेदारी करती रही हैं और कॉलेज कार्यशाला में नई प्रतिभाओं को भी लोक कला व संस्कृति के प्रति उन्हें प्रशिक्षण देने का काम किया है। इस आधुनिक युग में लोक कला और संस्कृति के सामने आ रही चुनौतियों को लेकर उनका कहना है कि यदि हम समाज के लिए अच्छा नहीं कर रहे या लिख रहे हैं तो हमारी लेखनी का कोई फायदा नहीं।

ये मिले पुरस्कार

रेणू दूहन को स्कूल व कालेज की शिक्षा के दौरान ही कविता व चुटकुले आदि लिखने और नुक्कड नाटक करने, रंगमंच के लिए राज्य स्तर पर दो बार चुटकुलों के लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अभिनय के क्षेत्र में रत्नावली फेस्टिवल में राज्य स्तर पर सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के पुरस्कार से नवाजा गया। निबंध प्रतियोगिता में राज्य स्तर पर प्रथम पुरस्कार और कविता लेखन में द्वितीय व तृतीय पुरस्कार भी हासिल किए हैं।

ऐसे मिली करियर को मंजिल

हास्य कलाकार रेणू दूहन ने बताया कि अभिनय के क्षेत्र में वह पहले से ही अभिरुचि रखती थी। उनका पहला यूट्यूब वीडियो बहन-भाई का प्यार रक्षाबंधन को लेकर था, जिसमें उसने बहन का किरदार निभाया। ऐसे वीडियो में वह लगातार बहन की ही भूमिका में अभिनय कर रही हैं। वह कुरुक्षेत्र के रत्नावली, नुक्कड़ नाटक आदि में हिस्सा लेती रही। उन्होंने हरियाणवी फिल्म 'बहू काले की' में बहन का किरदार निभाया है। वहीं, वेबसीरिज डिजिटल ताई के अलावा स्टेज एप पर करीब एक दर्शन स्टैंडअप कॉमेडी शो किए हैं। पांच सालों से वे अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव कुरुक्षेत्र में भी अपनी कला के रंग बिखेर रही हैं। स्टेज एप ओटीटी के लिए उनके पहले स्टैंडअप कॉमेडी शो के रिलीज होने के 3-4 दिन में ही उसे लाखों लोगों ने देखा। इससे लोकप्रियता मिली। हास्य कलाकार रेणू दूहन ने साल 2019 में आस्ट्रेलिया के सिडनी शहर में भी अपनी कला का प्रदर्शन करके हरियाणवी संस्कृति की अलख जगाई है। रेणू का कहना है कि हमारा कंटेंट ऐसा होना चाहिए जो पूरा परिवार एक साथ मिलकर देख सके। कई बार आज का युवा लोकप्रिय होने के लिए कुछ भी करने को तैयार है तो कि बहुत गलत है।

खबर संक्षेप

अवैध देसी शराब सहित युवक गिरफ्तार

कनीना। थाना पुलिस ने छापेमारी कर एक व्यक्ति से सात बोतल व 16 पव्वे देसी शराब बरामद करने में सफलता हासिल की है। इस बारे में थाना इंचार्ज रविंद्र सिंह ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर भड़फ की और छापेमारी की। जहां से एक व्यक्ति आता दिखाई दिया जिसे रोककर पूछताछ तो उसके बैग से सात बोतल व 16 पव्वे अवैध देसी शराब बरामद हुई। आरोपित की पहचान दलीप सिंह वासी वार्ड आठ कनीना के रूप में हुई। पुलिस ने अवैध शराब बेचने के आरोपित के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

राधेदास महाराज की पुण्यतिथि पर भंडारा आज

कनीना। बाबा राधेदास महाराज की पुण्यतिथि पर सोमवार को भंडारे का आयोजन किया जाएगा। बाबा राधेदास आश्रम के संचालक बाबा राजेशदास ने बताया कि सोमवार को सुबह सवा आठ बजे हवन होगा। जिसमें नगर के नागरिक हिस्सा लेंगे। वहीं सवा 11 बजे भंडारा प्रारंभ होगा।

व्यक्ति से 48.26 ग्राम गांजा बरामद किया

कनीना। शहर थाना पुलिस ने छापेमारी कर एक व्यक्ति से नशीला पदार्थ गांजा बरामद करने में सफलता हासिल की है। थाना इंचार्ज रविंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के निर्देशानुसार नशे के नेक्सस को तोड़ने के लिए लतागार प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर पटवार खाना गली में दबिश दी, जहां एक व्यक्ति गांजा लिए खड़ा था। जिसकी पहचान मंजीत वासी चेलावास के रूप में हुई। पुलिस कर्मचारियों ने उसे काबू कर पूछताछ की। ड्यूटी मैजिस्टेट ईटीओ विक्रांत यादव की उपस्थिति में कागजी कार्रवाई पूरी कर तलाशी ली, तो उसकी जेब से पॉलीथिन मिली। जिसमें गांजा भरा हुआ था। जिसका वनज 48.26 ग्राम मिला।

यूजीसी नेट परीक्षा में सराहनीय प्रदर्शन

महेंद्रगढ़। गांव माजरा खुर्द निवासी

प्रवीण कुमार सुपुत्र डॉ. लालचंद यादव ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित शारीरिक शिक्षा विषय में 92.72 परसेंटाइल अंक प्राप्त करके यूजीसी नेट की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। प्रवीण वर्तमान में दिल्ली सरकार के अधीन शारीरिक शिक्षक पद पर कार्यरत हैं। उपरोक्त पद पर कार्यरत रहते हुए उन्होंने अपनी मेहनत तथा लगन से यह उपलब्धि हासिल की है। उनकी इस उपलब्धि पर सूरजभान, रामानंद, महिपाल पिलानिया, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी विजेंद्र श्योराण ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

राधा कृष्ण संगठन ने निकाली प्रभात फेरी

नारनौल। राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को शहर में 110वीं प्रभात फेरी का आयोजन मोहल्ला चांदुवाड़ा से किया गया। इस अवसर यजमान निहालचंद सर्राफ ने परिवार सहित ठाकुर जी की पूजा अर्चना और आरती कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को चंदन तिलक लगाकर सम्मानित किया। विशेष रूप से अपने 65वें जन्मदिवस के अवसर पर उन्होंने श्रद्धालुओं को पटका पहनाकर व पताका प्रदान कर सम्मानित किया। फाल्गुन मास की मस्ती में सराबोर सैकड़ों श्रद्धालुओं महिला, पुरुषों व बच्चों ने ढोल नगाड़ों की थाप पर राधा राधा नाम का संकीर्तन किया। प्रभात फेरी यजमान के निवास स्थान से प्रारंभ होकर संजय गर्ग, सुरेंद्र कालू के निवास, छत्ते के पास, दिल्ली दरवाजा, महल मंदिर होते हुए मोहल्ला चांदुवाड़ा की परिक्रमा कर यजमान के घर संपन्न हुई। पूरे परिक्रमा मार्ग में भक्तों ने जगह जगह प्रभात फेरी को रोककर ठाकुर जी की आरती की व भजन कीर्तन के साथ भक्तिरस में डूब गए। इस अवसर पर संगठन की ओर से यजमान को भागवत कथा की पुस्तक भेंट की गई।

पटीकरा में साप्ताहिक एनएसएस शिविर का समापन

शिविर में स्वयंसेवकों को राष्ट्र की सेवा करने के लिए किया प्रेरित

■ राजकीय महाविद्यालय के योगेंद्र एवं अंशु यादव को बेस्ट वालंटियर चुना गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। एनएसएस शिविर समाप्ति पर स्वयंसेवकों को सम्मानित करते हुए।

राजकीय महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. पूर्ण प्रभा के दिशा निर्देशों में एनएसएस का एक सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन शहरी क्षेत्र गांव पटीकरा में किया गया, जो 23 फरवरी को सम्पन्न हो गया। यूनिट एक के कार्यक्रम अधिकारी जयपाल, यूनिट दो के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सतीश कुमार सैनी और यूनिट तीन के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पलक रही। इस सात दिवसीय शिविर का शुभारम्भ नगर परिषद की चेयरपर्सन कमलेश सैनी ने रिबन काट कर किया और स्वयंसेवकों को राष्ट्र की सेवा करने को प्रेरित किया। साथ में तीनों कार्यक्रम अधिकारियों ने सभी स्वयं सेवकों के 10 ग्रुप बनाएं गए और कार्यक्रम की रूपरेखा बताई। सुबह योगा के साथ दिन की शुरुआत की और स्वच्छ भारत अभियान थीम पर ड्रामा, नुक्कड़ व नाटक का आयोजन किया गया। ग्राम पटीकरा में रैली निकाल कर जागरूक किया गया और शहीद कमल सिंह स्मारक की साफ सफाई की।

शिविर के तीसरे दिन नशा मुक्ति अभियान का आयोजन किया गया। साथ में रैली निकाल कर समाज को नशे से दूर रहने का संदेश दिया गया, जिसके मुख्य अतिथि नशा मुक्ति केंद्र के अध्यक्ष डॉ. रोहिताश सिंह रंगा रहे और डॉ. सतीश कुमार व डॉ. चंद्र मोहन की अगुवाई में नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। शाम के सत्र में पोस्टर मेकिंग, रागिनी और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। शिविर के चौथे दिन साइबर क्राइम जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि इंस्पेक्टर शारदा देवी और प्राचार्य डॉ. पूर्णप्रभा रही। साथ में सिमरन और इंद्रजीत मौजूद रहे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि देश में साइबर क्राइम बहुत ज्यादा होने लगे हैं तो हमें बहुत सी सावधानी बरतनी पड़ेंगी। जैसे किसी को ओटीपी नहीं बताना और भी अन्य जानकारी दी। महाविद्यालय परिसर में सफाई की गई, जिसमें मुख्य अतिथि प्राचार्य पूर्णप्रभा रही और उप प्राचार्य जगत सिंह मोर ने बताया कि प्लास्टिक और पॉलीथीन का प्रयोग नहीं करना चाहिए। उसके बाद शाम के सत्र में खेल प्रतियोगिता करवाई गई। अगले दिन ट्रैफिक नियमों की जानकारी दी, जिसके मुख्य अतिथि इंस्पेक्टर एसएचओ नरेश कुमार रहे, जिन्होंने बताया कि वाहन चलाते समय किन–किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। अगर जिंदगी में आगे बढ़ना है तो पीछे नहीं मुड़ना। शाम के सत्र में रागनी प्रतियोगिता और एकल डांस का आयोजन किया गया।

शिविर के समापन समारोह पर समाजसेवी संजय गर्ग मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने स्वयंसेवकों को समाजसेवा का पाठ पढ़ाया और स्वयंसेवकों को सर्टिफिकेट वितरित किए। योगिता, लिपिक एवं भारती को बेस्ट ग्रुप लीडर चुना गया। योगेंद्र एवं अंशु यादव को बेस्ट वालंटियर चुना गया।

महेंद्रगढ़। शिविर में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

एनएसएस शिविर में सेवा कार्यों में योगदान दिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

■ महर्षि दयानंद सरस्वती की 100वीं जयंती पर किया आयोजन

राजकीय महाविद्यालय में महर्षि दयानंद सरस्वती की 100वीं जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर महाविद्यालय के समीप स्थित स्टेडियम में आयोजित किया गया। शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने अनहद शक्ति फाउंडेशन के तत्वावधान में सनातन वैदिक संस्कृति के सजग प्रहरियों द्वारा आयोजित पावन श्रीमद्भागवत गीता महायज्ञ में भाग लेते हुए विभिन्न सेवा कार्यों में योगदान दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सोमवीर के नेतृत्व में स्वयंसेवकों ने हवन सामग्री एवं यज्ञ सामग्री के सुचारू प्रबंधन में सहायता की। स्वयंसेवकों ने संविदा की छोटी-छोटी गठरियां बनाकर यज्ञ कुंड तक पहुंचाने एवं यजमानों तक हवन सामग्री पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाई। एनएसएस संयोजक प्रोफेसर सोमवीर सिवाच के निर्देशन में स्वयंसेवकों ने समाज के प्रति अपने कर्तव्य को निभाते हुए इस महायज्ञ में अपनी सहभागिता सुनिश्चित की। महायज्ञ के उपरांत स्वयंसेवकों ने प्रसाद वितरण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सोमवीर, डॉ. अशोक कुमार एवं डॉ. पविता यादव ने भी स्वयंसेवकों के साथ मिलकर सेवा कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाई।

संस्कृत भाषा को मिलेगा बढ़ावा

■ नए शिक्षा सत्र से नौवीं व 10वीं कक्षा के विद्यार्थी पढ़ सकेंगे संस्कृत भाषा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कनीना

संस्कृत भाषा के चाहने वाले विद्यार्थियों के लिए अच्छी खबर है। अप्रैल माह से शुरू होने वाले नए शिक्षा सत्र से हरियाणा के विद्यालयों में कक्षा नौवीं व 10वीं के लिए तीसरी भाषा संस्कृत मिलेगी। माना जा रहा है कि हरियाणा में त्रिभाषा सूत्र लागू करने को लंबे समय से प्रयासरत संस्कृत भारती के प्रयासों को कामयाबी मिल गई है। इस बारे में स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से पत्र भी जारी किया गया है। इस बारे में चेयरमैन अशोक शर्मा बुचोली ने बताया कि नई शिक्षा नीति 2020 के तहत स्कूल शिक्षा में त्रिभाषा सूत्र लागू करना प्रस्तावित था। इसके तहत हिंदी व अंग्रेजी के साथ एक स्थानीय भाषा को विषय के रूप में लागू किया जाना था। हरियाणा में संस्कृत प्रभावी भाषा के रूप में अपनी मौजूदगी दर्ज कराती रही है। ऐसे में संस्कृत को त्रिभाषा सूत्र में लागू करवाने के लिए संस्कृत की चाहत रखने वालों की ओर से लगातार प्रयास किए जा रहे थे। इन प्रयासों को संस्कृत भारती ने सिरे चढ़वाने का कार्य किया है।

उन्होंने बताया कि संस्कृत प्रदेश में तीसरी बड़ी भाषा के रूप में अपना प्रभाव कायम रखे, इसके लिए संस्कृत भारती ने स्कूली पाठ्यक्रम में संस्कृत की उपयोगिता के लिए आंकड़े जुटाकर हरियाणा सरकार व विद्यालय प्रशासन से लगातार संपर्क साधे रखा। प्रदेश के मुख्यमंत्री, शिक्षामंत्री, शिक्षा निदेशक, एएसीएस के साथ कई दौर की बैठकें हुई। जिसमें त्रिभाषा सूत्र लागू होने में मदद मिली। ये सूत्र लागू होने के बाद उच्च विद्यालयों में संस्कृत विषय के अध्यापकों की मांग बढ़ेगी। इससे संस्कृत विषय में रोजगार के और अवसर बढ़ेंगे। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड और हिमाचल की द्वितीय राज्य भाषा संस्कृत है। अनेक प्रदेशों में संस्कृत अकादमी हैं और राजस्थान में अलग से संस्कृत निदेशालय है।

चौहान परिवार ने की बिना दहेज शादी

महेंद्रगढ़। गांव सिसोठ निवासी स्वास्थ्यकर्मी मुकेश चौहान ने अपने बेटे रवि कुमार की बिना दहेज की शादी करके एक अनोखी मिसाल पेश की है। रवि कुमार की शादी झज्जर निवासी सब इंस्पेक्टर राजेंद्र सिंह की पुत्री सुचेता के साथ 20 फरवरी को हुई है। इस शादी की विशेष बात यह है कि वर पक्ष ने सिर्फ एक रुपया नारियल शगुन लेकर दहेज रहित शादी की। यह एक अनोखी पहल है जो समाज में दहेज प्रथा के खिलाफ एक संदेश देती है। बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन हरियाणा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुकेश चौहान ने कहा कि उन्होंने अपने बेटे की शादी में दहेज नहीं लेने का फैसला किया ताकि वे समाज में एक अच्छी मिसाल पेश कर सकें।

महर्षि दयानंद की जयंती पर किया हवन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

महर्षि दयानंद की 201वीं जयंती पर आर्य समाज अटेली की ओर से पतंजलि आरोग्य केंद्र अटेली मंडी प्रतिष्ठान के सामने कस्बे में रविवार को हवन यज्ञ किया गया। यज्ञ में आर्य समाजियों के अलावा अनेक लोगों ने हिस्सा लिया। यज में भाजपा महामंत्री राजपाल यजमान रहे, जबकि हवन के पुरोहित धर्मबीर आर्य व दिनेश आर्य तथा ब्रह्मा के रूप में राजेंद्र वैद्य मौजूद रहे। अटेली आर्य समाज के प्रधान हरदयाल आर्य की अध्यक्षता में यज्ञ में राजेंद्र वैद्य, ऋषि पाल आर्य, दिनेश आर्य, होशियार बाबूजी, लालसिंह, सूरजभान मास्टर, मास्टर हठीराम, देशराज आर्य, दिलावर, हरिप्रताप, सुरेंद्र बाबूजी, प्रेमप्रकाश, राहुल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस मौके पर आर्य समाज के प्रधान हरदयाल आर्य ने कहा कि इस देश के अंधकार में ज्ञान की ज्योति फैलाने वाले आधुनिक भारत के विचारकों में स्वामी दयानंद सरस्वती का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। वेदों के प्रति उनकी गहरी आस्था थी, जिसे फैलाने के उद्देश्य से उन्होंने मुंबई में आर्य समाज की स्थापना की।

मंडी अटेली। हवन में आहुति डालते हुए। फोटो : हरिभूमि

सरस्वती स्कूल में सीनियर विद्यार्थियों को दी विदाई

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में भाग लेती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

सरस्वती शिक्षा निकेतन वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय माजरा कलां के प्रांगण में 11वीं के छात्रों ने 12वीं कक्षा के छात्रों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया। आरआरसीएम ग्रुप के चेयरमैन रोशन लाल यादव ने मां सरस्वती प्रतिभा के समक्ष द्वीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ किया। छात्राओं ने गणेश व सरस्वती वंदना पर प्रस्तुति दी। इसमें नृत्य व नाट्य मंचन भी प्रस्तुत किया। वहीं सीनियर्स को विशेष उपहारों के साथ शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर चेयरमैन रोशन लाल यादव ने विदाई समारोह की विशेषताओं का वर्णन करते हुए उन्हें देश के जिम्मेदार नागरिक बनने का मंत्र भी दिया। स्कूल प्राचार्य सतवीर यादव ने लक्ष्य प्राप्ति में अनुशासन का महत्व समझाते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ज्ञानदीप सीनियर सेकेंडरी स्कूल सुरजनवास में रविवार को स्कॉलरशिप परीक्षा का आयोजन किया गया। उपरोक्त जानकारी देते हुए विद्यालय के प्राचार्य रामवीर यादव ने बताया कि विद्यालय प्रबंधन की ओर से निर्धारित रिक्त सीटों को भरने के लिए इस परीक्षा का आयोजन किया गया।

डॉ. संदीप बने कॉमर्स के असिस्टेंट प्रोफेसर

मंडी अटेली। गांव मोहनपुर निवासी डॉ. संदीप यादव पुत्र नाहर सिंह का मीरपुर यूनिवर्सिटी रेवाड़ी में कॉमर्स विषय में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर चयन हुआ है। बीसी बी कैटेगरी में कॉमर्स का एक ही पद था, जिसमें 500 से अधिक आवेदक थे। इससे पहले अटेली कॉलेज में 2017 तक एक्सटेंशन के पद तीन साल तक अपनी सेवाएं दी थी। वर्तमान में बिजली के हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम में रेवाड़ी में कार्यरत थे। डॉ. संदीप यादव शुरू से ही मेधावी रहे हैं तथा साधारण किसान परिवार में जन्म लेकर अपनी अथक मेहनत के बल पर यह मुकाम हासिल किया। इनके माता-पिता अशिक्षित व ग्रामीण परिवेश में रहते हुए बिना कोचिंग व बगैर मार्गदर्शन के यह मुकाम हासिल किया है। अपनी उपलब्धि का श्रेय माता राजबाला देवी, पिता नाहर सिंह, पत्नी डॉ. अभिलाषा, प्राचार्य गजानंद, सरोज देवी व मितांश को दिया है। इस उपलब्धि पर डॉ. जितेंद्र पाल, गांव के सरपंच हरिसिंह, डॉ. बजरंग यादव व संदीप यादव आदि ने बधाई दी है।

विद्यार्थी परीक्षा को बोझ न समझें, मिलेगी सफलता

■ 10वीं व 12वीं की परीक्षाओं को लेकर विद्यार्थियों को बिना चिंता के सूझबूझ के साथ पढ़ाई करनी चाहिए : दीपक कुमार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कनीना

सीबीएसई बोर्ड की शुरू हो चुकी तथा हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी की शुरू होने वाली 10वीं व 12वीं की बोर्ड की परीक्षाओं को लेकर विद्यार्थियों की ओर से बिना चिंता के सूझबूझ के साथ कार्य करना चाहिए। विद्यार्थी इन परीक्षाओं को बोझ न समझे। ये विचार वार्षिक परिक्षाओं के मद्देनजर पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खेड़ी तलवाना के पूर्व प्रधानाचार्य शिक्षाविद दीपक कुमार लाटा ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी परीक्षा को भार न समझकर इसे एक अवसर समझें। बोर्ड की परीक्षा कोई कुंभ का मेला नहीं है, जो बारह साल में एक बार आता है। विद्यार्थी के प्रयासों में कोई कमी रह जाती है, तो पुनः प्रयास करें सफलता अवश्य मिलेगी। परीक्षा के कुछ समय पहले से परीक्षाओं की तैयारी के लिए योजना बनाई जानी चाहिए। इस समय विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ साथ व्यायाम व खेलकूद प्रतियोगिता पर भी ध्यान देना चाहिए। परीक्षा को लेकर मन में किसी प्रकार का भय व तनाव नहीं होना चाहिए। विद्यार्थियों को पर्याप्त नींद भी लेना जरूरी है। संतुलित खान पान का भी ध्यान रखना चाहिए। अगर विद्यार्थी परीक्षा को चुनौती न मानकर एक अवसर रूप में लेता है, तो उसे परीक्षा व जीवन में सफल होने कोई नहीं रोक सकता।

महेंद्रगढ़। परीक्षा में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

संस्कार भारती कॉन्वेंट स्कूल में छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन

महेंद्रगढ़। गांव पाली स्थित संस्कार भारती कॉन्वेंट स्कूल में छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया गया। छात्रवृत्ति परीक्षा में कक्षा तीसरी से बारहवीं तक के कुल 943 छात्रों ने अपनी शैक्षणिक क्षमता का प्रदर्शन करते हुए परीक्षण में भाग लिया। छात्रों के साथ उनके माता-पिता भी स्कूल परिसर पहुंचे। उन्होंने स्कूल के प्रबंधन, शैक्षणिक माहौल और सुविधाओं का निरीक्षण किया। माता-पिता ने स्कूल में मौजूद आधुनिक प्रयोगशालाओं (लैब्स), स्मार्ट क्लासेस और तकनीकी संसाधनों की सराहना की। उन्होंने प्रबंधन टीम की प्रशंसा करते हुए कहा कि स्कूल का संचालन बहुत प्रभावी और सुव्यवस्थित है। स्कूल चेयरमैन संदीप यादव ने कहा कि विद्यार्थियों को आने जाने के लिए कोई दिक्कत न हो इसलिए स्कूल द्वारा ही बसों की व्यवस्था की गई थी। यह परीक्षा वस्तुनिष्ठ प्रश्नों पर आधारित थी। जिसमें प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक निर्धारित किया गया था। इस परीक्षा में भाग लेने वाले छात्र अपनी शैक्षणिक योग्यता के आधार पर विशेष छात्रवृत्ति प्राप्त कर सकते है। विद्यालय के एमडी संदीप राव ने बताया कि इस परीक्षा के माध्यम से प्रतिभावान छात्रों को स्कॉलरशिप प्रदान की जाएगी।

उद्घाटन समाजसेवी नवीन गोयल के सहयोग से श्री रामलीला परिषद् में हुआ नए भवन का निर्माण

पुण्य स्मृति में दो कमरे, एक हॉल और शौचालय का निर्माण करवाया

सामाजिक व धार्मिक कार्यों में लगाया गया धन कई गुना प्रतिफल देता है : रामबिलास शर्मा

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

श्री रामलीला परिषद् के नए भवन का उद्घाटन पूर्व कैबिनेट मंत्री रामबिलास शर्मा ने संतों के सानिध्य में किया। जानकारी देते हुए कार्यकारी प्रधान अमित मिश्रा, प्रबंधक अतुल दीवान, कोषाध्यक्ष राजेश लावणिया ने बताया कि नगर की प्राचीनत्तम संस्था श्रीरामलीला परिषद् के प्रांगण में दो कमरे, एक हॉल और शौचालय का निर्माण श्री रामलीला परिषद् ने समाजसेवी नवीन गोयल पंसारी के सहयोग से स्व. शांति देवी धर्मपत्नी स्वतंत्रता सेनानी स्व. मोहन लाल गोयल की पुण्य स्मृति में करवाया है। पूर्व कैबिनेट मंत्री रामबिलास शर्मा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। जबकि अध्यक्षता श्री रामलीला परिषद के प्रधान दिनकर बोहरा ने की। मुख्य अतिथि का परिषद में पहुंचने पर ढोल नगाड़ों और पुष्प मालाओं से स्वागत किया गया। पंडित केशव शर्मा ने मंत्रोच्चरण के साथ पूजन करवाया। इसके बाद नए भवन का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में महंत शक्तिनाथ सिसोठ धाम, योगी वचनाईनाथ पथरवा, बाबा इतवारगिरी महेंद्रगढ़ का कार्यक्रम में सानिध्य रहा। मुख्य अतिथि और नवभवन निर्माणकर्ता नवीन गोयल समाजसेवी का पुष्पमाला, शौल औढ़ाकर और स्मृति चिह्न देकर सम्मान किया गया। परिषद् परिवार की तरफ से कार्यकारी प्रधान अमित मिश्रा और कोषाध्यक्ष राजेश लावणिया ने मंच के माध्यम से सभी आगंतुकों का स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व शिक्षामंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा ने कहा कि दान और धर्म सनातन का आधार हैं। इस प्रकार सामाजिक और धार्मिक कार्यों में लगाया गया धन कई गुना प्रतिफल देता है। सभी लोगों को समाज हित के लिए दान करना चाहिए। समाज के प्रति हमारे उत्तरदायित्व की जिम्मेदारी हम सबको समझनी चाहिए। नवीन गोयल समाज के लिए एक मिसाल है। गौरतलब है कि नवीन गोयल द्वारा पूर्व में भी एक वातानुकूलित कमरे का निर्माण परिषद् प्रांगण में अपने पूज्य पिताजी की स्मृति में करवाया हुआ है। इस मौके पर चेतन प्रकाश गौड़, सुधीर दीवान, सुभाष अग्रवाल, विजय अग्रवाल, रमेश कौशिक, जिला पार्षद देवेन्द्र यादव, विवेक खैरवाल, दिनेश यादव, डा. तरुण यादव, मयंक लावणिया, सुशील बिढ़ाट, नरेश जोशी, सूर्यप्रकाश कौशिक, विष्णु सोनी, दलीप गोस्वामी, राजेश लोहिया, ओमप्रकाश भोमा, रामचन्द्र जांगड़ा, राजेन्द्र पोपली, आदि मौजूद रहे।

महेंद्रगढ़। नए भवन का उद्घाटन करते पूर्व शिक्षामंत्री। फोटो : हरिभूमि

गोष्ठी में नवविवाहित दंपति को आशीर्वाद

महेंद्रगढ़। लोक संस्कृति संरक्षण प्रकोष्ठ एवं मिशन महेंद्रगढ़ अपना जल अभियान के सौजन्य से हुडा सेक्टर में आशीर्वाद संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें नवविवाहित दंपत्ति नीरज व रीतू को पौधा भेंट करके उनके मंगलमयी भविष्य की कामना की गई। लोक संस्कृति संरक्षण प्रकोष्ठ की ओर से चलाये जा रहे आशीर्वाद व प्रेरणा प्रकल्प के तहत ताराचंद यादव व सुनीता यादव के निवास पर आयोजित इस संगोष्ठी में डा. कृष्णा आर्या के नेतृत्व में महिलाओं ने परंपरागत व शिक्षाप्रद लोकगीत गाए तथा युगल नीतू व नीरज को सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन व प्रकृति संरक्षण हेतु प्रेरित किया गया। इस मौके पर डा. कृष्णा आर्या के साथ ताराचंद यादव, सुनीता देवी, रीतू, नीरज, सरिता, बिंदू, सुनीता, मिनाक्षी, ममता, अनीता, लालीदेवी, कमला देवी व कृष्णा आदि मौजूद थे।

खबर संक्षेप

मार्ग के बीच में गाड़ी खड़ी करने पर केस दर्ज

मंडी अटेली। अटेली पुलिस ने बीच सड़क पर गाड़ी करने वाले चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार पुलिस टीम को सूचना मिली की नारनौल-रेवाड़ी सड़क मार्ग पर कस्बे के पुराना बस स्टैंड पर एक गाड़ी सड़क मार्ग के बीच मे सरेआम लावारिस हालत में खड़ी है, जिसके अन्दर कोई भी चालक नहीं बैठा हुआ था।

गांव सीगड़ा की रेनु ने की नेट परीक्षा पास

महेंद्रगढ़। गांव सीगड़ा निवासी रेनु पुत्री अनूप ने पर्यावरण विषय में नेट की परीक्षा कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। बेटी के दादा पूर्व सैनिक दलीप सिंह ने बताया कि बड़े बेटे के जाने के बाद घर परिवार की जिम्मेदारी छोटे बेटे अनय कुमार ने अपने व भाई के बच्चों की पढ़ाई, लिखाई की जिम्मेदारी निभाते हुए बच्चों का मार्ग दर्शन किया।

छात्रों ने मॉडल प्रस्तुत कर दिखाई प्रतिभा

महेंद्रगढ़। गांव खातोद स्थित राजकीय उच्च विद्यालय में स्टेम मेले का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा छठीं से आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा दिखाई। मेले का उद्घाटन कलेस्टर के प्राचार्य नरेश गोयल व स्कूल मुख्याध्यापक धर्मबीर सिंह ने किया। मेले में विज्ञान और गणित की सभी छह स्टेम मंच की गतिविधियों के साथ मॉडल प्रस्तुत किए गए। जिसमें वाटर फिल्टर, प्रकाश संश्लेषण, चंद्रयान एटीएम, बार कोड संदूक, मानव श्वसन तंत्र आदि की प्रस्तुतियां दी गई।

छात्रों ने अपशिष्ट प्रबंधन की तकनीक को जाना

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित बीवॉक-औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन कार्यक्रम के विद्यार्थियों ने हिमाचल प्रदेश के सोलन में स्थित शिवालिक ठोस कचरा प्रबंधन लिमिटेड का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस शैक्षणिक भ्रमण में विद्यार्थियों ने अपशिष्ट प्रबंधन की विभिन्न तकनीकों के बारे में जाना-समझा। स्कूल ऑफ लाइफ लोंग लर्निंग के डीन प्रो. पवन कुमार मौर्य ने बताया कि वर्तमान में अपशिष्ट प्रबंधन बहुत बड़ी चुनौती है। अपशिष्ट पदार्थों का सही प्रबंधन न होने से पर्यावरणीय समस्याएं सामने आ रही हैं।

जल संरक्षण व सफाई का विशेष ध्यान दें: यादव

महेंद्रगढ़। गांव ढाढोत स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का विधायक कंवर सिंह यादव ने औचक निरीक्षण किया। विधायक ने बताया कि विद्यालय में साफ सफाई का विशेष ध्यान दिया जाए। जल संरक्षण व पौधारोपण पर भी विशेष ध्यान दें। विधायक ने प्राचार्य को कहा कि आपके विद्यालय में किसी भी प्रकार की कोई समस्या नहीं आने दी जाएगी। स्कूल स्टॉफ ने विधायक के समक्ष विद्यालय में दो कमरा, लाइब्रेरी, खेल का मैदान, खेलों का सामान, छात्र-छात्राओं के लिए शौचालय, स्टाफ के लिए शौचालय की मांग रखी।

ऑनलाइन प्रणाली के बाद हरियाणा निवासियों के नहीं बन रहे जाति प्रमाण पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

- योजनाओं में पारदर्शिता लाने के लिए फैमिली आईडी योजना की गई लागू
- लोगों को उठानी पड़ रही भारी परेशानी

योजनाओं में पारदर्शिता लाने के लिए फैमिली आईडी योजना को लागू किया। इससे आम नागरिक को समय की बचत के साथ उचित सुविधा मिल रही है। योजनाओं को नागरिकों तक पहुंचाने के लिए सरकार ने कॉमन सर्विस सेंटर खोल रखे है ताकि नागरिकों को तहसील कार्यलय के चक्कर नहीं लगाने पड़े। सरल हरियाणा पोर्टल के माध्यम से नागरिक एक ही मंच पर 44 विभागों से संबंधित 545 योजनाओं और सेवाओं का लाभ उठा सकते है। 545 सेवाओं में ही जाति प्रमाण जारी करने की महत्वपूर्ण सेवा है जो हरियाणा के नागरिकों को बहुत कम मिल रही है। हरियाणा में ओबीसी की आबादी राज्य की आबादी का लगभग 40 प्रतिशत है और इसमें 78 जातियां शामिल है। जिनको योजनाओं का लाभ लेने के लिए जाति प्रमाण पत्र की जरुरत होती है। सरल हरियाणा पोर्टल पर अन्य राज्यों से आई हुई महिलाओं का जाति प्रमाण पत्र जारी करने का कोई ऑप्शन नहीं है। इसी के साथ हरियाणा के जिन नागरिकों के माता पिता की बहुत साल पहले डेथ हो चुकी है ऐसे नागरिको को जाति प्रमाण पत्र बनवाने के लिए काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि ऐसे नागरिकों को जाति प्रमाण पत्र बनवाने के लिए अपने माता पिता का डेथ सर्टिफिकेट प्रस्तुत करना होता है लेकिन कई वर्षों पहले डेथ होने की वजह से उनके माता पिता का सर्टिफिकेट उपलब्ध नहीं होता है। ऐसे में डेथ सर्टिफिकेट बनवाने के लिए 200 से 300 रुपये तक का अधिक खर्च वहन करना पड़ता है। बहुत से नागरिकों का डेथ रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होने की वजह से प्रमाण पत्र नहीं बनता है। ऐसे आवेदनकर्ताओं को स्वास्थ्य विभाग रिकॉर्ड नहीं होने की एनओसी जारी कर देता है। ऐसी अवस्था में विभाग की लेट रजिस्ट्रेशन सेवा में आवेदन करना होता है जो मुश्किल है।

माता का डेथ रिकॉर्ड नहीं

नागरिक सुरेश कुमार का कहना है कि उसे आरआरबी रेलवे ग्रुप डी का फॉर्म भरना है, जिसमें ओबीसी सर्टिफिकेट की जरूरत है। सर्टिफिकेट बनवाते समय माता पिता की फैमिली आईडी मांगी गई है लेकिन माता की मृत्यु हो चुकी है। काफी साल पहले मृत्यु होने की अवस्था में रिकॉर्ड भी नहीं मिल रहा है। काफी दिन से ऑफिसों के चक्कर लगाकर वह अब थक चुका है।

आईडी में नाम दर्ज नहीं

फैमिली आईडी में नाम दर्ज करने के लिए माता पिता का आधार कार्ड जरूरी किया गया है, मृत्यु होने की अवस्था में उनका डेथ सर्टिफिकेट जरूरी है। नागरिक रणवीर सिंह का कहना है कि जयपुर में तैनाती होने की वजह से पहले फैमिली आईडी नहीं बना सका। अब फैमिली आईडी में पत्नी का नाम दर्ज करने पर, पत्नी की माता का डेथ सर्टिफिकेट मांगता है जो काफी साल पुराने की अवस्था में उपलब्ध नहीं हो रहा है। ऐसे में पत्नी का नाम फैमिली में नहीं जुड़ रहा है।

पालतू कुत्ते के काटने पर किया मामला दर्ज

नारनौल। गांव मूसनौता की ढाणी साधां वाली में एक बच्चे को अपने घर से दुकान पर जाते समय पालतु कुत्ते ने काट लिया। मामले के संबंध में घायल लड़के के दादा कैलाश ने पुलिस को लिखित शिकायत दी है। जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। गांव मूसनौता की ढाणी साधा वाली के कैलाश चंद पुत्र धूड़ाराम ने आरोप लगाते हुए बताया कि उसके पौते नीरज पुत्र महेश को बीते शुक्रवार को करीब 3:30 बजे ढाणी में स्थित दुकान पर सामान लेने के लिए भेजा था। जैसे ही उसका पौता दुकान से सामान लेकर जगदीश पुत्र बिशंभर के घर के पास सामान लेकर पहुंचा तो जगदीश ने अपने पालतू कुत्ते को खोल दिया।

रात को भी काम करेंगे सीसीटीवी कैमरे

तीसरी आंख की निगरानी में रहेगा अब धोली गांव

- गांव के मेन चौराहों पर लगाए गए हैं 32 आधुनिक तकनीक सीसीटीवी कैमरे 150 मीटर की होगी रेंज
- सीसीटीवी कैमरों में वीडियो के साथ आडियों में होगी रिकार्डिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। गांव धोली में पोल पर लगा सीसीटीवी कैमरा। फोटो : हरिभूमि

जिले का धोली गांव अब तीसरी आंख निगरानी में रहेगा। ग्राम पंचायत की ओर से गांव के मुख्य चौराहों पर 32 आधुनिक तकनीकी के सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। सीसीटीवी के माध्यम से गांव में प्रवेश करने अनजान व्यक्ति पर ग्राम पंचायत के सदस्यों की नजर रहेगी।

सीसीटीवी लगने के बाद गांव में होने वाली चोरियां व गांव में घूमने वाले अनजान व्यक्ति की भी निगरानी रखी जाएगी। इससे गांव में काफी फायदा मिलेगा। वहीं पुलिस को भी किसी भी आपराधिक घटना के बाद अपराधी तक पहुंचने में मदद मिलेगी। गांव धोली में अन्य गांवों से प्रवेश करने वाले व गांव के मुख्य मार्ग पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहा रहे हैं। इसके अलावा कुछ सीसीटीवी कैमरे गांव में बिजली के पोल पर भी लगाए गए हैं। ग्राम पंचायत की ओर से सीसीटीवी कैमरों का रखरखाव किया जाएगा।

गांव के सरपंच के घर बनाए जाएंगा सेंटर प्वाइंट:

गांव में लगाए जाने वाले सीसीटीवी कैमरे आधुनिक तकनीक के होंगे। इन सीसीटीवी कैमरों में वीडियो के साथ आडियों की भी रिकार्डिंग होगी। यह कैमरे इतने अत्याधुनिक तकनीक के होंगे कि आडियो-वीडियो रात के अंधेरे में भी एचडी क्वालिटी की बनाएंगे। इन सीसीटीवी कैमरों में 150 मीटर तक आसानी से व्यक्ति की पहचान की जा सकेगी।

अगर कोई शरारती तत्व इनकी केबल काट देता है तो भी यह रिकार्डिंग कर डीवीआर तक पहुंचाएंगे। साथ ही आवश्यकता पड़ने पर ग्राम पंचायत सदस्यों द्वारा इसे मोबाइल से भी कनेक्ट किया जा सकेगा। इसके अलावा गांव के सरपंच घर सेंटर प्वाइंट बनाया जाएगा। जिसमें कोई भी सीसीटीवी के आते-जाते व्यक्ति को देख सकेंगा। साथ ही आधुनिक तकनीकि से लैस इन कैमरों पर मौसम का भी कोई प्रभाव नहीं होगा।

अन्य गांवों में लग चुके हैं कैमरे

क्षेत्र के दो गांवों में पहले से सीसीटीवी कैमरे लगाए जा चुके हैं। जिले के गांव पाली में सबसे पहले सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। इसके बाद गांव देवनगर में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। अब धीरे-धीरे जिले के प्रत्येक गांव सीसीटीवी कैमरे लगाने का कार्य जारी है। इससे गांव में होने वाली चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगेगा।

सीसीटीवी लगने का कार्य पूरा : सरपंच

गांव के सरपंच अमित कुमार का कहना है कि गांव के मुख्य मार्गों पर 32 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। सीसीटीवी कैमरे आधुनिक तकनीक से लैस हैं। इससे गांव में होने वाली घटनाओं पर रोक लगेगी। सभी सीसीटीवी कैमरे लगाने का काम पूरा हो चुका हैं। अब धोली गांव पूरी तरह से सीसीटीवी की निगरानी में होगा।

एथलेटिक्स में गांधी हाउस प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। प्रतियोगिता के दौरान फुटबाल मैच खेलते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

ब्रिगेडियर रामनिवास विद्या पब्लिक स्कूल गोनेडा कोटपूतली में इंटर हाउस खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया। प्रतियोगिता का आयोजन 15 से 22 फरवरी तक किया गया। स्कूल के चेयरमैन डा. ब्रिगेडियर रामनिवास ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जिसमें केजी ग्रुप, जूनियर ग्रुप, सब जूनियर ग्रुप के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने विभिन्न खेलों में उत्साह, जोश व हर्षोल्लास के साथ भाग लिया। विद्यार्थियों में एथलेटिक चैंपियनशिप, फुटबॉल, खो खो आदि खेलों की प्रतियोगिता करवाई गई। जिसमें एथलेटिक में आल ओवर ग्रुप में गांधी हाउस प्रथम, द्वितीय भगत तथा तृतीय स्थान पटेल हाउस ने प्राप्त किया। फुटबॉल मैच में गांधी हाउस प्रथम, द्वितीय स्थान श्रीराम हाउस तथा तृतीय स्थान भगत हाउस ने प्राप्त किया। खो खो मैच में गांधी हाउस प्रथम, श्रीराम हाउस द्वितीय व भगत हाउस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता प्रतिभागियों का चेयरमैन ने अभिनंदन किया तथा उन्हें ट्रॉफी, मेडल व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। चेयरमैन ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि खेल सर्वांगीण विकास के लिए अति महत्वपूर्ण है, विशेषकर स्वास्थ्य के लिए। उन्होंने कहा कि खेल नशे से दूर रहने का एक प्रभावी माध्यम है। ये शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है।

मुफ्त सहायक उपकरण रजिस्ट्रेशन शिविर कल से

मंडी अटेली। बाबा खेतानाथ जनसेवा फाउंडेशन सिहमा के नेतृत्व में रेडक्रॉस नारनौल द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए निःशुल्क सहायक उपकरण रजिस्ट्रेशन शिविर 25 फरवरी को सुबह 10 बजे से दोपहर दो बजे तक किया जाएगा। संदीप यादव ने बताया कि यह कैंप 25 फरवरी को दौंगड़ा अहीर के आर्य समाज मंदिर में व 27 फरवरी को खासपुर के पंचायत घर तथा 28 फरवरी लावण में लगाए जाएंगे। शिविर में रेडक्रॉस नारनौल द्वारा व्हीलचेयर, कानों की मशीन, कमर दर्द बैल्ट, घुटनों के दर्द की बैल्ट, गर्दन दर्द बैल्ट, आदि के लिए रजिस्ट्रेशन किया जाएगा। रजिस्ट्रेशन के आधार पर वरिष्ठ नागरिकों को सहायक उपकरण दिए जाएंगे।

राव नेतराम स्कूल में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित

नारनौल। राव नेतराम पब्लिक स्कूल सलीमपुर में प्रत्येक माह में होने वाली कार्यक्रमों की श्रृखला में इस माह में मैथ प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया। विद्यालय सचिव कुबेर सिंह ने बताया कि मैथ प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन इंटर हाउस में करवाया गया। इस प्रतियोगिता में चार हाउस सुभाष, तुलाराम, शिवाजी, महाराणा प्रताप के कक्षा तीसरी से 12वीं तक के विद्यार्थियों की टीमों ने भाग लिया। कड़े मुकाबले के बीच शिवाजी हाउस के महक पुत्री प्रदीप रामचन्दपुरा कक्षा चौथी, प्रियंका पुत्री सुनील कक्षा आठवीं ताजपूर व रोहित पुत्र नरेश खारीवाड़ा कक्षा 11वीं ने बाजी मारी। उन्होंने बताया कि यह परिणाम बच्चों, अध्यापक व उनके इंचार्ज की मेहनत का फल है। इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धा की भावना में बढ़ती है।

बीजेआरडी स्कूल में जूनियर्स ने अपने सीनियर्स को दी विदाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में भाग लेते स्कूल के विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

गांव रिवासा स्थित बीजेआरडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में ग्यारहवीं के विद्यार्थियों ने अपने सीनियर के सम्मान में एक विदाई समारोह का आयोजन किया। इस समारोह का आरंभ मां सरस्वती वंदना से किया गया। ग्यारहवीं के बच्चों ने अपने बड़े भाई बहनों को उनके व्यक्तित्व, रुचियों एवं आदतों के अनुरूप टाईटल देकर उनके सहपाठियों एवं गुरुजनों से रूबरू करवाया। मुख्य अतिथि विद्यालय चेयरपर्सन शीला राव ने की एवं अध्यक्षता विद्यालय निदेशक राजपाल यादव ने की। मुख्यातिथि ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप युवाओं से संपूर्ण देश और समाज नई आशाओं एवं अपेक्षा भरी निगाहों से देखता है। उम्मीद है कि आप जहां भी रहेंगे अपने माता पिता, गुरुजनों,अपने देश एवं समाज का नाम रोशन करेंगे। इस अवसर पर विद्यालय पीआरओ बिजेंद्र सिंह, सुरेश सैनी, सवाई सिंह, मंजीत सिंह, अमिता, मोनू यादव, रूप, शिवराज, ज्योति यादव, टीना यादव, शर्मिला यादव, आदि मौजूद रहे।

इंडस वैली में छात्रवृत्ति परीक्षा आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। छात्रवृत्ति परीक्षा में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

गांव दौंगड़ा अहीर स्थित इंडस वैली पब्लिक स्कूल में रविवार को छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन हुआ। जिसमें दूर-दराज से अभिभावक अपने बच्चों को साथ लेकर आए। इसके साथ संस्था प्रबंधन ने भी अपने साधन भेज रखे थे जो खचा-खच भरे हुए थे।

गौरतलब बात यह है कि यह संस्था प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का उनकी योग्यता के अनुसार सौ फीसदी तक वजीफा प्रदान करती है। इस कारण बच्चों एवं अभिभावकों का रुझान इस ग्रामीण संस्था की ओर अधिक देखने को मिला। इसके साथ शिक्षण एवं खेल के क्षेत्र में भी अग्रणीय भूमिका निभाती रही है। छात्रवृत्ति परीक्षा देने वाले बच्चों की संख्या 3247 रही। संस्था के प्राचार्य जयवीर सिंह यादव ने बताया कि इस परीक्षा में बैठने वाले छात्रों में से उतीर्ण छात्रों को शत-प्रतिशत स्कॉलरशिप मिलेगी। इसके साथ उन्होंने विद्यालय की अनेक उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और बताया कि इंडस वैली पब्लिक स्कूल शैक्षिक, खेल व प्रतियोगी परीक्षाओं के परिणामों में सबसे आगे रहा है। जिसमें दो बार हरियाणा टॉप व एक बार ऑल इंडिया टॉप रहा है। संस्था के चेयरमेन धर्मेन्द्र यादव ने सभी बच्चों अभिभावकों के आने पर उनका स्वागत किया व धन्यवाद दिया। उन्होने बताया कि संस्था में आईआईटी, जेईई, नीट, केवीपीवाई, एनडीए, एनटीएसई आदि की प्रतिस्पधार्ओं की तैयारी के लिए विशेष कोचिंग की सुविधा निशुल्क प्रदान की जाती है। उन्होंने संस्था के उच्चतर परिणामों का श्रेय अभिभावकों का सहयोग, बच्चों व अध्यापकों की मेहनत को बताया। सभी आगंतुकों ने संस्था के अनुशासन, परिणामों व प्रबंधन की भूरि-भूरि प्रशंसा की। संस्था के उप चेयरमेन विजय सिंह यादव, निदेशक केसी यादव, उपप्राचार्य वीर सिंह यादव व समस्त स्टाफ ने स्कॉलरशिप में उपस्थित सभी छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सदासुख मेमोरियल स्कूल में 1746 विद्यार्थियों ने दी स्कॉलरशिप परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। स्कॉलरशिप परीक्षा में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

कस्बा कनीना के गाहडा रोड पर स्थित सदासुख मैमोरियल स्कूल में स्कॉलरशिप परीक्षा का आयोजन किया गया। यह परीक्षा कक्षा दूसरी से बारहवीं के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की गई थी। सभी विद्यार्थियों को उनके घर से लाने व ले जाने के लिए ट्रांसपोर्ट व्यवस्था स्कूल द्वारा ही की गयी थी। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में एक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल डायरेक्टर सुभाष चंद्र ने की। कार्यक्रम के मुख्यातिथि एमडी एडवोकेट विनय प्रकाश यादव थे। उन्होंने कहा कि सभी विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए बताया कि इस परीक्षा के आयोजन का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को सही और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। जो विद्यार्थी प्रतिभावान है तथा स्कूल की फीस चुकाने में असमर्थ हैं वह इस परीक्षा के जरिये अपनी स्कूल फीस में छूट करवा सकता है। प्रबंधक सुभाषचंद्र ने बताया कि परीक्षा के लिए विभिन्न गावों से लगभग 1746 विद्यार्थी स्कॉलरशिप परीक्षा देने के लिए पहुंचे थे।

टेलीग्राम आईडी पर लिंक भेजकर टॉस्क के नाम पर धोखाधड़ी

घर बैठे जॉब का ऑफर देकर 2.14 लाख की ठगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

ऑनलाइन फ्रॉड रूकने का नाम नहीं ले रहे। शातिर लोग टेलीग्राम पर मैसेज भेजकर लोगों को घर बैठे जॉब का ऑफर देते है। उन्हें पैसा कम समय में ज्यादा कमाने का झांसा दे देते है। इसी तरह का एक मामला शहर का है। पीड़ित व्यक्ति ने विश्वास में आकर पार्ट टाइम के लिए मैसेज का सही मान लिया। बातचीत आगे बढ़ी तो एक के बाद एक झुठ बोलकर पीड़ित को फंसाते चले गए और दो लाख 14 हजार की ठगी कर दी। अब नंबर ब्लाक कर दिया। पीड़ित की शिकायत पर साइबर क्राइम थाना ने बीएनएस की धारा 318(4) के तहत केस दर्ज किया है। मौहल्ला शिवाजीनगर वासी विश्वास राव ने साइबर क्राइम थाना में शिकायत दी है। शिकायत में बताया है कि 13 दिसम्बर 2024 को टेलीग्राम आईडी पर पार्ट टाइम के लिए एक मैसेज आया। जिन्होंने ऑनलाइन घर बैठे जॉब करने की सलाह दी। उसके बाद उनसे कहा कि क्या करना पड़ेगा। फिर उन्होंने टेलीग्राम आईडी पर एक लिंक भेजकर टॉस्क करने के कहा। उस लिंक पर क्लिक करके कार्य करना स्टार्ट किया। उसके बाद उन्होंने टेलीग्राम पर एक ग्रुप ज्वाइन करवाकर टेलीग्राम पर टॉस्क पूरे करने के लिए कहा और कहा कि यदि आप 10 हजार रुपये ट्रांसफर करोंगे तो 15 हजार रुपये प्रोफिट सहित वापिस मिलेंगे। इसके बाद 13 दिसम्बर को उनके बताए अनुसार गुगल पे से पीएनबी अकाउंट के माध्याम से 10 हजार रुपये उनके बताए अनुसार ट्रांसफर कर दिए। लेकिन उन्होंने 15 हजार खाता में वापिस नहीं डाले। फिर उन्होंने कहा कि आप 60 हजार ओर डाल दो, जब आपके सारे रुपये एक साथ वापिस आ जाएंगे। जिस पर 59 हजार 716 रुपये 33 पैसे अगले दिन 14 दिसम्बर को अपने रिश्तेदार के एसबीआई अकाउंट से महाराष्ट्रा बैंक अकाउंट में ट्रांसफर करवा दिए। उसके बाद में उन्होंने टेलीग्राम पर अपने नामजद दो व्हाट्सएप नंबर दिए और कहा कि आप अपने अकाउंट के प्रोफिट के बारे में इन पर बात करके जानकारी हासिल कर सकते हैं। उसके बाद उन नंबरों पर चैट की तो उन्होंने बताया कि आप अभी एक लाख 50 हजार रुपये ओर डाल दो तो आपको दो लाख 63 हजार 529 रुपये 52 पैसे प्रोफिट सहित वापिस मिल जाएंगे। जिस पर 19 दिसम्बर को पीएनबी बैंक अकाउंट से 35 हजार, 11 हजार 43 रुपये 25 पैसे व 49 हजार और एसबीआई बैंक के बंधन बैंक खाता नंबर में और पत्नी के पीएनबी बैंक अकाउंट से 50 हजार रुपये उनके बताए अनुसार एयू स्माल बैंक अकाउंट में ट्रांसफर कर दिए।